अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2023) दिनांक : 23.12.2023

समय सीमा : 3 घंटा चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ (आश्रव-संवर)–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में दीजिए– 16

आश्रव–किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) वैनयिक मिथ्यादर्शन व अज्ञानिक मिथ्या दर्शन किसे कहते हैं?

(ख) कायिकी क्रिया आश्रव किसे कहते हैं?

(ग) भाष्य के अनुसार असत् के तीन अर्थ लिखें।

(घ) परिग्रह आश्रव किसे कहते हैं?

(ङ) मुक्त जीव सकंप है या निष्कंप?

(च) बीस आश्रव के सावद्य कितने निरवद्य कितने?

(छ) लोक में द्रव्य छह हैं फिर जीव के साथ पुद्गल ही क्यों आबद्ध होता है?

(ज) अनाभोग क्रिया आश्रव किसे कहते हैं?

संवर–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(झ) परिषह किसे कहते हैं तथा ये नौ तत्त्वों में किसके अन्तर्गत आते हैं?

(ञ) उपकरण संवर का अर्थ लिखें।

(ट) उत्तम त्याग किसे कहते हैं?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) **आश्रव**–आचार्य भिक्षु ने योग को जीव किस प्रकार सिद्ध किया है?

अथवा

क्या तीनों योगों से भिन्न कार्मण योग है और वही पांचवां आश्रव है? इस संदर्भ में आचार्य भिक्षु का अभिमत बताएं।

(ख) **संवर**–संवर प्रवर्तक क्यों नहीं हो सकता?

अथवा

द्रव्य संवर और भाव संवर को परिभाषित करें।

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 24

(क) **आश्रव**–स्वामीजी ने नौ त्रिकों के सार को किस प्रकार सूत्रों द्वारा प्रमाणित किया है?

अथवा

आश्रव अरूपी कैसे है? मिथ्यात्व आश्रव तथा योग आश्रव मोहनीय कर्म के उदय से निष्पन्न जीव परिणाम किस प्रकार है?

(ख) **संवर**–सिद्ध करें कि अप्रमाद संवर अकषाय संवर और अयोग संवर की उत्पत्ति प्रत्याख्यान से नहीं होती।

अथवा

सामायिक आदि पांचों संयतों के संयम स्थानक तथा चारित्र पर्यव कितने हैं?

अवबोध (मनुष्य गति से शील धर्म)–30

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 6

(क) क्या सम्यक्त्वी के अकाम निर्जरा होती है?

(ख) अमूढ़ दृष्टि किसे कहते हें?

(ग) तिर्यंच श्रावक बारहव्रती होते हैं?

(घ) चरम शरीरी कौन सी नरक से निकल कर बन सकते हैं?

(ङ) अकर्मभूमि और अन्तर्द्वीप के मनुष्यों में क्या सम्यक्त्व होती है?

(च) विविक्त शयनासन किसे कहते हैं?

(छ) मैथुन सेवन करने वाले के क्या जीव हिंसा का भी पाप लगता है?

(ज) क्या चारित्र की प्राप्ति तीर्थ स्थापना के बाद होती है?

प्र. 5 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दो तीन लाईन में लिखें– 12

(क) ब्रह्मचर्य को तप क्यों कहा गया है?

(ख) तिर्यंच श्रावक बारहव्रती होते हैं?

(ग) क्या नारकों में देवों का आवागमन होता है?

(घ) अकर्म भूमि के मनुष्यों के मरने के बाद उनके शरीर का अंतिम संस्कार कैसे होता है?

(ङ) क्या सामायिक व छेदोपस्थापनीय चारित्र भरत व ऐरावत क्षेत्र के सभी तीर्थंकरों के शासन काल में होते हैं?

(च) एक भव में सम्यक्त्व कितनी बार आ सकती है?

(छ) क्या नारक जीव विकुर्वणा करते हैं? यदि करते हैं तो कितने समय की?

(ज) दर्शन किसे कहते हैं?

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) छप्पन अन्तर्द्वीप कहां हैं?

(ख) अवधिज्ञान का क्षेत्र में नरक से लेकर वैमानिक देव तक लिखें।

(ग) ब्रह्मचर्य अणुव्रत के कितने अतिचार हैं?

श्रावक संबोध–20

प्र. 7 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) अतिथिसंविभाग व्रत के अतिचार–परव्यपदेश किसे कहते हैं?

(ख) मृषा संभाषण के मुख्यतः कितने व कौन से कारण माने गए हैं?

(ग) बहिर्पुदगल प्रक्षेप से क्या तात्पर्य है?

(घ) श्रावक की भूमिका का प्रवेश द्वार क्या है व किस उपलब्धि के बाद यह प्राप्त होता है?

(ङ) देव लोक में देव किस कारण से उत्पन्न होते हैं, तुंगिका नगरी के श्रावकों को इस प्रश्न का उत्तर पार्श्वपत्यीय स्थविरों ने क्या दिया?

(च) जैन लोग सब प्रकार की लौकिक विधियों को मान्य कर सकते हैं, पर उसमें दो शर्तें कौन सी हैं?

प्र. 8 कोई चार पद्य लिखें– 12

(क) आश्रव कर्मपुद्गलों को आकृष्ट करने वाला पद्य लिखें।

(ख) इच्छाओं को सीमित करने वाला आकांक्षाओं पर अंकुश लगाने वाला पद्य लिखें।

(ग) श्रावक की ग्यारह प्रतिमाओं को स्वीकार करने वाला पद्य लिखें।

(घ) मुनि अकिंचन होते हैं उनके लिए श्रावक अपनी वस्तुओं का विसर्जन करें–वाला पद्य लिखें।

(ङ) व्रत स्वीकार करने की यह प्रसिद्ध विधा-श्रमण संस्कृति से विकसित हुई–यह पद्य लिखें।

(च) श्रावक जीवन को सार्थक बनाने के लिए नौ तत्त्व के अनुशीलन की आवश्यकता है–वह पद्य लिखें।